International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 18-05-2019; Accepted: 21-06-2019
www.socialsciencejournal.in
Volume 5; Issue 4; July 2019; Page No. 177-180

बैगा जनजाति की महिला शिक्षा में विकास का स्वरूप : ग्राम पंचायत गिरारी बैगान वि.खं. पुष्पराजगढ़ (म.प्र.) का प्रतीक भौगोलिक अध्ययन

डॉ0 हेमराज मरावी [1], डॉ0 एस0 पी0 पाण्डेय [2]

[1] स0 शिक्षक, शा0 प्रा0 वि0, उमानिया जिला अनूपपुर, मध्य प्रदेश, भारत।

[2] प्राध्यापक भूगोल, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत।

सारांश

पुष्पराजगढ़ वि.खं. (जिला अनूपपुर) के विषमधरातलीय क्षेत्रों में स्थित बैगा ग्रामों में बैगा महिलाओं की साक्षरता दर एक सोचनीय पहलू है। यद्यपि बैगा महिला के लिए विभिन्न योजनाओं को संचालित कर इनकी साक्षरता दर में वृद्धि के प्रयास किए गये, परन्तु वास्तविक लक्ष्य की पूर्ति न हो सकी, जिसके कारणों में ग्राम पंचायत स्तर तक सही ढंग से नियोजन का न होना है। प्रतीक अध्ययन में गिरारी बैगान टोला में महिला साक्षरता दर 46.72 प्रतिशत है, जो आशानुकूल नही है। वांच्छित लक्ष्य प्राप्त न होने के पीछे ग्राम पंचायत स्तर की अपनी समस्याएँ है, जिनके निदानोंपरान्त वांच्छित लक्ष्य की प्राप्ति संभव होगा।

मूल शब्द : साक्षरता, विकास, लाभार्थी, समस्या।

प्रस्तावना

भारतीय महिलाओं में साक्षरता की वह दर जो पुरुषों में दृष्टिगोचर होती है, इनमें नही मिलती।[1] इस पर देश में निवास करने वाली वह जनसंख्या जिसे अनुसूचित जनजाति के रूप में संवैधानिक अधिमान्यता दी गई है, इनके महिलाओं की साक्षरता दर चिन्तनीय होना स्वाभाविक है। देश को आजाद हुए 70 वर्ष से अधिक हो गये। समान शिक्षा अवसरों के बावजूद जनजातियों एवं जनजातीय महिलाओं विशेषतः बैगा महिलाओं में साक्षरता दर की वह प्रवृत्ति दृष्टिगोचर नही हुई जो कि आपेक्षित थी। बैगा महिलाओं की साक्षरता दर में कमी का प्रभाव विकासोन्मुखी कार्यक्रमों में एक रिक्तता उत्पन्न करने लगा फलतः इनके शैक्षणिक उन्नयन हेतु विभिन्न प्रकार की योजनाओं को मूर्तरूप प्रदान किया। मैदानी स्तर पर योजनाएँ कार्य सम्पादन भी करने लगी, किन्तु इस जनजाति की महिलाओं में विकास का आपेक्षित स्वरूप दृष्टिगोचर नही पाया।[2] योजनाओं के पूर्णतः सफल न होने के प्रमुख कारणों में ग्राम पंचायत स्तर तक सही ढंग से नियोजन न किया जाना है। प्रस्तुत अध्ययन उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु ग्राम गिरारी बैगान टोला का प्रतीक भौगोलिक अध्ययन किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तावित शोध अध्ययन क्षेत्रीय सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों एवं ग्राम पंचायत स्तर तक के विभिन्न विभागों से प्राप्त द्वितीयक आंकड़ों के प्रयोग द्वारा पूर्ण किया गया है। अध्ययन की बोधगम्यता के लिये आवश्यकतानुसार आरेखों की सहायत ली गई है।

अध्ययन क्षेत्र

ग्राम गिरारी 23°42′ उत्तरी अक्षांश एवं 82°2′ पूर्वी देशांतर के मध्य अनूपपुर जिला के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड में स्थित एक जनजातीय प्रधान ग्राम है। इस ग्राम के पूर्व में भुवरी नाडर पश्चिम में बेंदी ग्राम, उत्तर में गर्जन बीजा एवं दक्षिण में खमरदार ग्राम स्थित है। इस ग्राम का प्रतिवेदित भौगोलिक क्षेत्रफल .393. 58 हैक्टर है, जहां (2001) कुल 320 व्यक्ति निवास कर रहे है।[3]

भौगोलिक स्वरूप

गिरारी बैगान टोला मैकल पठार के मध्य स्थित है। इस ग्राम की समुद्र की सतह से ऊँचाई 468 मी. है।[4] भौतिक दृष्टि से इसे 02 भौतिक उपइकाइयों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

1. दक्षिणी विषम धरातलीय उच्च क्षेत्र,
2. उत्तरी निम्नवर्ती भूमि।

उपर्युक्त दोनों उप इकाइयों के मध्य 4.5 मी. की धरातलीय सीमा रेखा को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सामान्य रूप में दक्षिणी भाग में नग्न चट्टाने स्पष्ट देखी जाती हैं, जबकि उत्तरी भाग में बलुहा निक्षेप, मृदा स्तरित पाई जाती है। संपूर्ण ग्राम का ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर मिलता है। प्रवाह प्रणाली की दृष्टि से ग्राम में छोटे–छोटे पहाड़ी नाले प्रवाहित होते हुये दृष्टिगोचर होते हैं। इन नालों में वर्षा ऋतु के उन दिनों में जब वर्षा होती है, जल प्रवाह मिलता है, शेष दिन शुष्क रहते हैं।

जलवायु की दृष्टि से यह ग्राम मैकल पठार के अन्य ग्रामों जैसी विशेषताओं से ओत–प्रोत है। गिरारी बैगा टोला ग्राम की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार कृषि, पशुपालन एवं वन्य वस्तुओं का एकत्रीकरण एवं मजदूरी करना है। कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल के 38.32 प्रतिशत भाग में कृषि कार्य किया जाता है, जबकि 44.6 प्रतिशत भाग में वनों का विस्तार मिलता है। ग्राम में सभी प्रकार के पशुओं की कुल संख्या 167 पाई जाती है।

जनसंख्या

गिरारी बैगा टोला ग्राम में निवास करने वाली कुल जनसंख्या 320 व्यक्ति है। इस प्रकार प्रति वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर जनसंख्या घनत्व 69.23 व्यक्ति है। 2001 की जनगणना के अनुसार ग्राम गिरारी बैगा टोला में निवास करने वाले जनसंख्या के विभिन्न वर्गो का विवरण निम्नानुसार है–

सारणी क्रमांक 1: ग्राम गिरारी बैगान टोला की वर्गानुसार जनसंख्या 2001

क्र.	विवरण	जनसंख्या			कुल जनसंख्या से प्रतिशत
		पुरूष	महिला	योग	
1.	सामान्य वर्ग	4	3	7	2.18
2.	अनुसूचित जाति	19	17	36	11.25
3.	अनु. जनजाति	135	141	277	86.56
योग		**159**	**161**	**320**	**100.00**

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका जिला अनूपपुर – 2001.

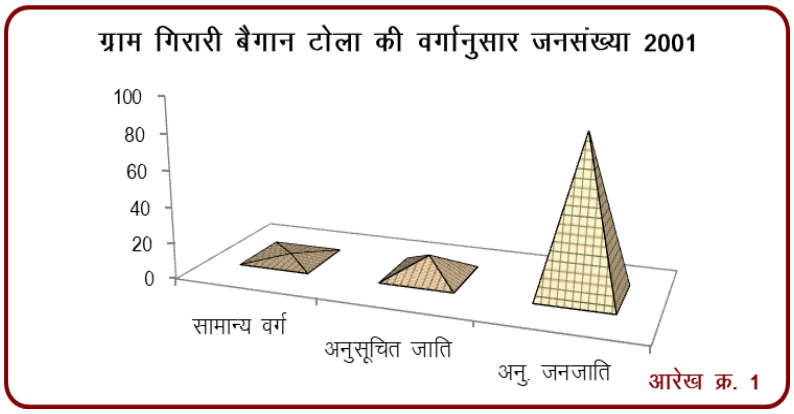

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 1 के अनुसार गिरारी बैगान टोला ग्राम में निवास करने वाली कुल जनसंख्या के 86.56 प्रतिशत भाग जनजातीय जनसंख्या का पाया जाता है। सामान्य वर्ग एवं अनुसूचित जाति की जनसंख्या इस ग्राम में क्रमशः 2.18 एवं 11. 25 प्रतिशत पाई जाती है। इस प्रकार यह ग्राम पूर्णतः जनजाति जनसंख्या प्रधान ग्राम है। जहाँ कुल 3 प्रकार के जनजातीय समूह निम्नानुसार निवास करते हुये पाये जाते है–

सारणी क्रमांक 2: ग्राम गिरारी बैगान टोला में बैगा जनजाति की जनसंख्या

क्र.	विवरण	जनसंख्या			कुल जनसंख्या से प्रतिशत
		पुरूष	महिला	योग	
1.	गोंड़	48	39	87	31.40
2.	बैगा	69	87	156	56.31
3.	कोल	18	16	34	12.27
योग		**125**	**142**	**277**	**100.00**

स्रोत : ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त जानकारी पर आधारित 2001।

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 2 के अनुसार गिरारी बैगान ग्राम में निवास करने वाली गोड़, बैगा एवं कोल जनजातियों में से सर्वाधिक बैगा जनजाति की जनसंख्या 56.31 प्रतिशत पाई जाती है, जबकि द्वितीय क्रम में गोड़ जनजाति कुल जनजातीय जनसंख्या का 31.40 प्रतिशत भाग है। इस ग्राम में कोल जनजाति की जनसंख्या कुल जनजातीय जनसंख्या के मात्र 12. 27 प्रतिशत भाग पाई जाती है। उपर्युक्त सारणी क्रमांक 2 के अनुसार बैगा जनजाति में प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं का औसत अधिक पाया जाता है, जबकि गोंड एवं कोल दोनो जातियों में महिलाओं से पुरूषों की संख्या अधिक पाई जाती है।

बैगा जनजाति की महिलाओं में साक्षरता विकास

अध्ययन के लिये चयनित ग्राम की बैगा जनसंख्या 2010 के आंकडों के अनुसार 204 व्यक्ति है, जिनमे 97 पुरूष 107 एवं महिला है। इस ग्राम में निवास करने वाले बैगा जनजाति में साक्षरता 58.63 पाई जाती है, जो वर्ष 1991 की तुलना में 30.65 प्रतिशत अधिक है। क्षेत्रीय सर्वेक्षण में 2010 की स्थिति में 11.9 प्रतिशत व्यक्यिों का शिक्षित होना पाया जाता है, जो 2001 की तुलना में 8.97 प्रतिशत अधिक है, जैसाकि निम्नांकित सारणी क्र. 3 से स्पष्ट होता है–

सारणी क्रमांक 3: गिरारी बैगा टोला ग्राम में बैगा साक्षरता का विकास

क्र.	वर्ष	व्यक्ति			साक्षर व्यक्ति			साक्षरता		
		पु.	म.	योग	पु.	म.	यो.	पु.	म.	यो.
1.	1991	61	51	112	18	13	31	19.50	25.49	27.67
2.	2001	69	87	156	45	32	77	65.21	36.78	49.35
3.	2010	97	107	204	69	50	119	71.13	46.72	58.33

स्रोत : 1991, 2001 के आंकड़े ग्राम पंचायत एवं 2010 के आंकड़े क्षेत्रीय सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी पर आधारित।

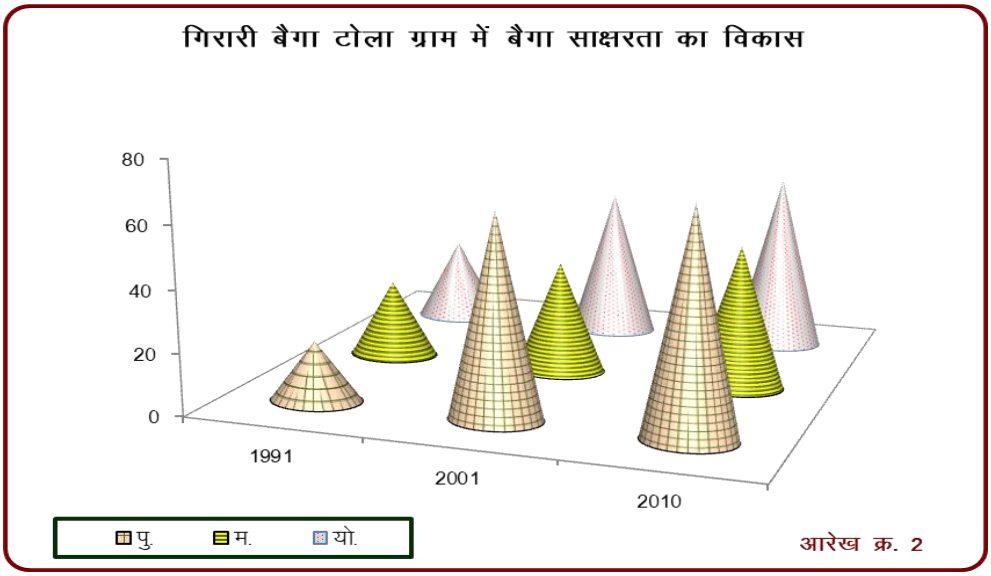

आरेख क्र. 2

उपर्युक्त सारणी क्र. 3 से स्पष्ट होता है कि 1991 आधार वर्ष के अनुसार 2001 में 21.68 प्रतिशत बैगा जनजाति की साक्षरता में विकास हुआ, जबकि 2001 आधार पर वर्ष 2010 की स्थिति में बैगा जनसंख्या में 8.97 प्रतिशत की अभिवृद्धि हुई, जो 1991–2001 की तुलना में 12.71 प्रतिशत कम है।

बैगा जनजाति की महिलाओं के साक्षरता पर दृष्टिपात करने से स्पष्ट होता है कि वर्ष 1991 में बैगा महिलाओं की साक्षर संख्या 13 थी, जो कुल बैगा महिला जनसंख्या का 25.49 प्रतिशत भाग है। 2001–2010 के मध्य बैगा महिलाओं में साक्षरता 46.72 पाई गई, जो 1991 की तुलना में 9.94 प्रतिशत अधिक है। निष्कर्ष रूप में 1991 से बैगा जनजाति की महिलाओं 46.72 प्रतिशत पाई गई, जो 1991 की तुलना में 9.94 प्रतिशत अधिक है। निष्कर्ष रूप में 1991 से बैगा जनजाति की महिलाओं की साक्षरता में निरंतर अभिवृद्धि हो रही है।

वर्गवार महिला साक्षरता का स्वरूप

गिरारी बैगा ग्राम से वर्गानुसार बैगा जनजाति की महिलाओं में साक्षरता की प्रकृति निम्नानुसार पाई जाती है–

सारणी क्रमांक 4: गिरारी बैगान टोला ग्राम से बैगा महिला में साक्षरता का स्वरूप – 2010

क्र.	विवरण	साक्षर संख्या	कुल महिला साक्षरता से प्रतिशत
1.	साक्षर	38	32.1
2.	पांचवी तक	34	28.8
3.	आठवीं तक	25	21.6
4.	दसवीं तक	12	10.3
5.	बारहवीं तक	10	08.7
6.	स्नातक	–	–
7.	तकनीकी शिक्षा एवं अन्य	–	–
योग		**119**	**100.00**

स्रोत : क्षेत्रीय सर्वेक्षण पर आधारित 2010।

उपर्युक्त सारणी क्र. 4 के अनुसार गिरारी बैगान ग्राम की कुल साक्षर बैगा महिला में 32.1 साक्षर है, जबकि 28.8 प्रतिशत महिलायें पांचवी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त किये हुये है। कुल बैगा साक्षर महिलाओं के 21.6 महिलायें आठवीं तथा 10.3 महिलायें दसवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त किये हुये है। 12 वीं तक शिक्षा प्राप्त बैगा महिलाओं का 8.7 प्रतिशत है। उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि इस ग्राम की बैगा महिलाओं की अधिकतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंड्री उत्तीर्ण है, जो इस तथ्य की ओर इंगित करता है कि बैगा जनजाति की महिलाओं में साक्षरता के प्रति जागरूकता एक अभिनव क्रिया है।

शैक्षणिक अधोसंरचना

गिरारी बैगान टोला में शैक्षणिक अधोसंरचना की दृष्टि से पूर्व माध्यमिक विद्यालय की स्थापना वर्ष 2003 में की गई जहाँ ग्राम के लड़के–लड़कियाँ अध्ययन करते है। इसी विद्यालय में बैगा जनजाति की छात्रायें शिक्षा प्राप्त कर रही है। विद्यालय भवन में कुल 10 कमरे, 07 शिक्षक, 02 भृत्य कार्यरत है। यह विद्यालय आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित है। विद्यालय की स्थिति ग्रामीण अधिवास के बीचों–बीच पायी जाता है।

बैगा जनजाति की महिलाओं के शैक्षणिक विकास हेतु वित्तीय आवंटन

बैगा जनजाति की महिलाओं में शिक्षा विकास की अभिरूचि में वृद्धि हो रही है। अभिरूचियों में वृद्धि का प्रमुख कारण इस जनजाति की बालिकाओं में शिक्षा विकास हेतु दिये जाने वाले विशेष शासकीय प्रोत्साहनों का होना है। प्रमुख योजनायें एवं लाभार्थियों की स्थिति 2009–2010 में निम्नानुसार पाई गई–

सारणी क्रमांक 5: बैगा महिला लाभार्थी का स्वरूप – 2009–10

क्र.	योजना	व्यय राशि	लाभार्थी संख्या	कुल लाभार्थियों से प्रतिशत
1.	छात्रवृत्ति	365.00	12	100.00
2.	गणवेश	4800.00	12	100.00
3.	बुक बैंक योजना	240.00	12	100.00
4.	मध्यान्ह भोजन	अप्राप्त	12	100.00
योग			**60**	**100.00**

स्रोत : 1. क्षेत्रीय सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी पर आधारित 2009–10.
2. लाभार्थियों की संख्या कुल 12 है। प्रत्येक बैगा छात्रा को सारणी मे दर्शायें लाभ हुआ।

बैगा महिला की शैक्षणिक समस्यायें

अन्य जनजातीय महिलाओं की भांति इस ग्राम की बैगा जनजाति के महिलाओं में शैक्षणिक विकास की अनेक बाधाओं के कारण लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है। प्रमुख समस्यायें निम्नानुसार है–

1. बैगा समाज का गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन,
2. आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण पढ़ाई के बजाय घरेलू कार्यो मे लड़कियों को सहलग्न करना,
3. बैगा जनजाति की अलोकप्रिय संस्कृति,
4. अन्य समाज के लोगों से उसकी दूरी,

5. विद्यालय तक पहुंचने हेतु विषम धरातलीय भू–भागों एवं नदी नालों की अधिकता,
6. शाला त्यागने की प्रवृत्ति,
7. बैगा जनजाति मे पुरूष प्रधान पारिवारिक व्यवस्था का वर्चस्व।

निष्कर्ष

उपर्युक्त समस्याओं के कारण बैगा परिवार की महिलाओं में साक्षरता की दर अभी निम्न पाई जाती है। प्रस्तुत गाँव में निवासरत बैगा महिलाओं में शैक्षणिक उन्नयन हेतु उपर्युक्त समस्याओं के निदान कर बैगा महिलाओं की साक्षरता में अभिवृद्धि की जा सकेगी।

आभार

परमपूज्य डॉ. सी.पी. तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा का आभारी हूँ जिन्होंने व्यवस्तता के बावजूद शोध पत्र का लेखन हेतु प्रेरणा प्रदान करते रहे।

सन्दर्भ

1. सेसेंज ऑफ इण्डिया जनसंख्या लेखन टेविल, नई दिल्ली
2. गौतम, तरुणेन्द्र, शहडोल जिला की बैगा जनजातियों में शिक्षा विकास, अप्रकाशित शोध, अ.प्र. सिंह वि.वि. रीवा (म.प्र.), 2005.
3. पटवारी पत्रक, हल्का पटवारी गिरारी बैगान, 2010.
4. धरातल पत्रक क्र 64 ई सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून, 1992.